

## भारत हमेशा श्रीलंका के साथ खड़ा मिलेगा..., पीएम मोदी ने दिसानायके को लिखा पत्र;मदद का आश्वासन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्रीलंकाई राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके को पत्र लिखकर चक्रवात दिव्वाह के बाद भारत की ओर से हरसंभव मदद का भरोसा दिया। उन्होंने यह भी कहा कि भारत पड़ोसी देश के जीवन को पटरी पर लाने के लिए अगले चरण में भी श्रीलंका का भरोसेमंद साझेदार रहेगा और उसे 45 करोड़ डॉलर का सहायता पैकेज देगा।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके को पत्र लिखा है। इसमें उन्होंने चक्रवात दिव्वाह के बाद भारत की ओर से हरसंभव मदद का भरोसा दिया। प्रधानमंत्री ने कहा

### संक्षिप्त समाचार

**मैं दो दिन दिल्ली में रहा और बीमार हो गया, गडकरी ने माना- 40 फीसदी प्रदूषण के लिए हम ही जिम्मेदार**

राजधानी दिल्ली में वायु प्रदूषण की स्थिति लगातार बिगड़ रही है। अब केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने भी इसे लेकर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली में प्रदूषण बहुत ज्यादा है। उन्होंने इसकी वजह जीवाश्म ईंधन को बताया और वैकल्पिक ऊर्जा के इस्तेमाल पर जोर दिया। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में वायु प्रदूषण खतरनाक श्रेणी में पहुंच गया है और इसे इंसानी स्वास्थ्य के लिए खराब बता दिया गया है। अब केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने भी दिल्ली के प्रदूषण को लेकर चिंता जाहिर की है और कहा है कि दिल्ली बेहद प्रदूषित है। एक किताब के विमोचन के कार्यक्रम में नितिन गडकरी ने कहा, मैं दो दिन दिल्ली में रहा और मुझे संक्रमण हो गया। माइ आइडिया ऑफ नेशन फस्ट- रीडिफाइन अनएलॉयड नेशनलिज्म नामक किताब का विमोचन करते हुए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा, मैं परिवहन मंत्री हूं, 40 प्रतिशत प्रदूषण तो हमारे ही कारण होता है। इसकी वजह है कि जीवाश्म ईंधन, पेट्रोल-डीजल है। सुदर्शन जी कितनी बार कहते थे कि इस देश का किसान अन्न दाता नहीं ऊर्जा दाता बनेगा। हवाई ईंधन दाता बनेगा। अब सब बन गया है, पर कोई विश्वास रखने के लिए तैयार नहीं है। बताया, आज भी हम कच्चे तेल के आयात पर 22 लाख करोड़ रुपये खर्च कर रहे हैं।



कि भारत मिलकर श्रीलंका में जीवन को फिर से पटरी पर लाने और देश को मजबूत बनाने में सहयोग करेगा। उन्होंने चक्रवात प्रभावित श्रीलंका की मदद के चलाए गए भारत के ऑपरेशन सागर बंधु की भी सराहना की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि राहत सामग्री, आपातकालीन सामान और खोज व बचाव कार्यों में जुटे

भारतीय दलों ने चिकित्सा आपात स्थितियों से निपटने और संपर्क व संचार व्यवस्था बहाल करने में श्रीलंका की मदद की। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने पत्र में लिखा कि पड़ोसी पहले नीति और पहले प्रतिक्रिया देने की प्रतिबद्धता के तहत भारत ने ऑपरेशन सागर बंधु शुरू किया। इसके तहत भारतीय जहाजों, विमानों और हेलिकॉप्टर्स से

राहत सामग्री और जरूरी सामान पहुंचाया गया। भारतीय दलों ने खोज और बचाव कार्यों में इस यात्रा में उसे हमेशा भारत का साथ मिलेगा। इससे पहले मंगलवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कोलंबो में बताया कि भारत ने चक्रवात दिव्वाह के बाद श्रीलंका के पुनर्निर्माण के लिए 45 करोड़ अमेरिकी डॉलर का सहायता पैकेज प्रस्तावित किया है।

## सीएम योगी बोले, हम भजन करने नहीं... दुष्टों को ठीक करने आए हैं

यूपी विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के अंतिम दिन जनप्रतिनिधियों ने अलग-अलग मुद्दे सदन में उठाए जिसका सत्ता पक्ष ने जवाब दिया। सदन में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय व नेता सदन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अनुपूरक बजट पर अपना पक्ष रखा।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ जितना सपा ने किया उतना किसी ने नहीं किया। हमने नौ लाख सरकारी नौकरियां दी हैं लेकिन कहीं भी भ्रष्टाचार नहीं हुआ है।

सपा की सरकार में यूपी के लोगों के सामने पहचान का संकट था। लोगों में अपने जीवन के लिए भय था अब प्रदेश की पहचान बदली है। आज देश में सर्वाधिक एक्सप्रेस वे और एयरपोर्ट वाला प्रदेश उत्तर प्रदेश है। हमने भर्तियों को पारदर्शी बनाया है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि हमने भर्ती बोर्ड में रियायत डीजोपी को बैठाया है।जिससे कि नकल माफियाओं की कमर तोड़ी जा सके। सज्जन को सुरक्षा और दुर्जन को ठिकाने लगाने के लिए ही तो हम बैठे हैं। कोई भजन करने के लिए तो बैठे नहीं हैं। भजन करने के लिए तो मठ ही पर्याप्त है। उसी में कर लेते। परित्राणाय साधूनां विनाशाय च दुष्कृताम्... इसीलिए तो हम आए हैं। यही हमारी शपथ है।यूपी विधानसभा में अनुपूरक बजट पर चर्चा में बोलते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय



के दिए गए सुझाव के लिए आभार व्यक्त किया। इस दौरान उन्होंने तंज भी कसा। नेता सदन सीएम योगी ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष ने जो भी सुझाव हमारी सरकार को दिए हैं अगर वो सत्ता में रहने पर सपा नेताओं को देते तो समाजवादी पार्टी तितर-बितर न होती। उन्होंने कहा कि मुझे खुशी है कि नेता प्रतिपक्ष ने स्वीकार किया कि प्रदेश में माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। आज प्रदेश की पहचान बदली है। अब प्रदेश में सुरक्षा का एक माहौल है। सपा की ही सरकार थी लेकिन पूजा पाल को सपा की सरकार न्याय नहीं दिला सकी क्योंकि हिम्मत नहीं थी। हमारी सरकार ने तय किया कि बेटी चाहे इस पक्ष की हो या विपक्ष की उसे न्याय हम देंगे। सरकार की प्राथमिकता में है कि प्रदेश की हर बेटी को, हर व्यापारी को, हर नागरिक को सुरक्षा मिलनी चाहिए।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कहीं भी किसी को जबरन कब्जा नहीं करने दिया जाएगा। अगर

किसी ने कब्जा किया है तो उसे मैं छोड़ूंगा नहीं। नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने कहा कि सरकार को समभाव से काम करना चाहिए। मुख्यमंत्री शपथ लेते हैं कि बिना भेदभाव के शुद्ध अंतःकरण से बिना भय और पक्षपात के काम करूंगा और बुलडोजर से घर गिरा जाता है। ये कहां तक उचित है साथ ही यह भी देखा जाना चाहिए कि जनप्रतिनिधि जो शपथ लेते हैं उसका कितना पालन करते हैं। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों के लिए सभी के साथ एक जैसा व्यवहार करना जरूरी है।नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि नमामि गंगे के लिए लगातार बजट दिया जा रहा है लेकिन अब तक पता नहीं चलता है कि धन कहां खर्च हो रहा है। जब भी सवाल पूछे तो उनका कहना होता है कार्य चल रहा है।बड़े अपराधियों के साथ छोटों का भी करें इलाज- नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि प्रदेश में बड़े अपराधियों को तो नियंत्रित किया जा रहा है पर छोटे अपराधियों को बिल्कुल भी नहीं

नियंत्रित किया जा रहा है। ये लोग सत्ता से जुड़े लोगों से मिले होते हैं इसलिए इनके खिलाफ कुछ भी नहीं होता है। इससे गरीब लोग परेशान हैं। इसी तरह प्रदेश में थाना और तहसील में व्याप्त भ्रष्टाचार से जनता परेशान है। इसे ठीक किया जाना चाहिए।इससे गरीब लोग परेशान हैं। ये भ्रष्टाचार के केंद्र हैं। ये एक-एक मुकदमा कई वर्ष तक चलाते रहते हैं। नेता प्रतिपक्ष ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से कहा कि लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए संस्थाओं को मजबूत करना जरूरी है। उपभोक्ता फोरम में जज की नियुक्ति नहीं हुई है जिससे कि लोगों को मुश्किल होती है। इसी तरह लोकायुक्त की नियुक्ति भी की जानी चाहिए।नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने अनुपूरक बजट पर चर्चा करते हुए कहा कि जब मूल बजट पेश किया जाता है तो पूरा अनुमान लगा लिया जाता है कि कितना धन खर्च होगा और कितना राजस्व प्राप्तियां होंगी।

## ऐसे दिखा रहे हैं जैसे पुतिन-जेलेंस्की साथ आ गए, ठाकरे बंधुओं के गठबंधन पर सीएम फडणवीस का तंज

ठाकरे बंधुओं ने बीएमपी चुनाव में गठबंधन का एलान कर दिया है। उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे ने संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस कर अपने फैसले की जानकारी दी। हालांकि भाजपा ने इस गठबंधन पर तंज कसा है। सीएम फडणवीस ने तो यहां तक कह दिया कि दोनों भाईयों के साथ आने को ऐसे प्रचारित कर रहे हैं, जैसे पुतिन और जेलेंस्की साथ आ गए हैं।ठाकरे बंधु बीएमपी चुनाव के लिए साथ आए हैं। बुधवार को संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस कर उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे ने शिवसेना यूबीटी और मनसे के गठबंधन का एलान किया। हालांकि सीएम फडणवीस के एक बयान से लग रहा है कि भाजपा ने ठाकरे बंधुओं के इस गठबंधन को कोई तवज्जो नहीं दी है। सीएम फडणवीस ने कहा, शिवसेना यूबीटी और मनसे के गठबंधन को ऐसे प्रचारित किया जा रहा है, जैसे रूस और यूक्रेन साथ आ गए हो और जेलेंस्की और पुतिन बातचीत कर रहे हो।मुख्यमंत्री ने शिवसेना यूबीटी और मनसे पर निशाना साधते हुए कहा, दोनों पार्टियां अस्तित्व के संकट से जूझ रही हैं, इन पार्टियों ने बार-बार अपनी भूमिकाएं बदलकर लोगों के बीच अविश्वास पैदा किया है, इन्होंने तुष्टिकरण की राजनीति कर अपना वोटबैंक खो दिया है।इनके साथ आने से कौन सा फर्क पड़ने वाला है। अगर ये



अपना अस्तित्व बचाने के लिए साथ आ रही हैं तो ये चुनाव नहीं जीत सकते। दोनों भाईयों की अब कोई विचारधारा नहीं बची है, ये सिर्फ अवसरवादिता की राजनीति कर रहे हैं। महाराष्ट्र सरकार के मंत्री और भाजपा नेता चंद्रशेखर बावनकुले ने ठाकरे बंधुओं के गठबंधन पर कहा, %वे अपनी जमीन खो चुके हैं। उद्धव ठाकरे की पार्टी निकाय चुनाव में 228 सीटों से आठ सीटों पर सिमट गई है। ऐसा ही मुंबई में होगा। यही वजह है कि वे साथ आ रहे हैं। हम उन्हें साथ आने के लिए शुभकामनाएं देते हैं। मुंबई के लोग विकास के लिए वोट करेंगे। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विकसित मुंबई को संकल्प लिया है मुंबई को अंतरराष्ट्रीय शहर की तर्ज पर विकसित किया जाएगा। हमारा घोषणा पत्र हमें जीत दिलाएगा। दोनों भाई साथ आ रहे हैं, सिर्फ इसलिए उन्हें सहानुभूति वोट नहीं मिलेंगे। उनके पास सभी

सीटों पर उम्मीदवार भी नहीं है और न ही कार्यकर्ता हैं।%शिवसेना ने गठबंधन पर उठाए सवाल- एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने उद्धव और राज ठाकरे के गठबंधन पर सवाल उठाते हुए कहा, अगर इन लोगों के पास असल में इतनी ताकत है तो वे हालिया निकाय चुनाव में बुरी तरह से क्यों हारे? कांग्रेस न उद्धव ठाकरे के साथ है और न ही शरद पवार के साथ, इसलिए इन्हें किसी की जरूरत है, जैसे डूबते को तिनके का सहारा। इसी तरह से उद्धव ठाकरे, राज ठाकरे का समर्थन चाहते हैं। मुझे नहीं लगता इससे बहुत फायदा होगा। कांग्रेस कभी मनसे के साथ गठबंधन नहीं करेगी उद्धव और राज ठाकरे के गठबंधन पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस नेता विजय वडेट्टिवार ने कहा, हालिया निकाय चुनाव में कांग्रेस, जो महाविकास अघाड़ी गठबंधन में बड़े भाई की भूमिका में है, सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी और गठबंधन की दोनों पार्टियों से ज्यादा सफल रहे। अगर दोनों भाईयों ने साथ आने का फैसला किया है तो हम इससे खुश हैं। हम उन्हें बधाई देते हैं, लेकिन कांग्रेस पार्टी कभी भी मनसे के साथ नहीं जुड़ेगी। हम शिवसेना यूबीटी और एनसीपी एसपी के साथ खड़े रहेंगे। महाराष्ट्र के लिए मराठी लोग क्या फैसला करते हैं, ये उन पर है।

## केंद्र सरकार ने दिल्ली मेट्रो के लिए 12015 करोड़ रुपये आवंटित किए

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज केंद्रीय कैबिनेट बैठक में हुए फैसलों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दिल्ली मेट्रो विस्तार परियोजना को मंजूरी दी गई है। वैष्णव ने बताय कि केंद्र सरकार ने इसके लिए 12,015 करोड़ रुपये की परियोजना को स्वीकृति दी है।राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (हृत्क) की लाइफलाइन कही जाने वाली दिल्ली मेट्रो के विस्तार को लेकर केंद्र सरकार ने आज एक बड़ा और अहम फैसला लिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में दिल्ली मेट्रो फेज-5 (A) के विस्तार प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है। इस परियोजना के लिए 12,015 करोड़ के भारी-भरकम बजट को हरी झंडी दिखाई गई है, जो दिल्ली की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था में एक नए अध्याय की शुरुआत करेगा।यह फैसला न केवल दिल्लीवासियों के लिए राहत की खबर है, बल्कि यह इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है। क्या है फेज-



5 (A) विस्तार योजना?- कैबिनेट की ओर से मंजूर की गई इस परियोजना के तहत दिल्ली मेट्रो नेटवर्क में तीन नए कॉरिडोर जोड़े जाएंगे। इस विस्तार की प्रमुख विशेषताएं इस प्रकार हैं-कुल लागत-परियोजना पर 12,015 करोड़ खर्च किए जाएंगे।नया कवरेज-मेट्रो नेटवर्क में 16 किलोमीटर की नई लाइनें जुड़ेगीं। नए स्टेशन-इस विस्तार के तहत 13 नए स्टेशनों का निर्माण किया जाएगा। समय सीमा-सरकार का लक्ष्य अगले तीन वर्षों के भीतर इस विस्तार को पूरा करना है। इस विस्तार का मुख्य उद्देश्य लास्ट-माइल कनेक्टिविटी (अंतिम छोर तक जुड़ाव) को मजबूत करना और शहर के सबसे व्यस्त मार्गों पर भीड़भाड़ को कम करना है। 400 किलोमीटर का आंकड़ा पार

करेगा नेटवर्क- इस मंजूरी के साथ ही दिल्ली मेट्रो दुनिया के सबसे बड़े शहरी रेल नेटवर्क में अपनी स्थिति और मजबूत करने जा रही है। अधिकारियों के अनुसार, अगले तीन वर्षों में इन नए कॉरिडोर के पूरा होने पर दिल्ली मेट्रो का कुल परिचालन नेटवर्क 400 किलोमीटर के आंकड़े को पार कर जाएगा। यह एक बड़ी उपलब्धि होगी, जो दिल्ली मेट्रो को लंदन और न्यूयॉर्क जैसे शहरों की मेट्रो प्रणालियों के समकक्ष खड़ा करती है। कनेक्टिविटी और कमर्शियल हब को मिलेगा बढ़ावा- इस विस्तार को रणनीतिक रूप से डिजाइन किया गया है ताकि प्रमुख आवासीय क्षेत्रों, कमर्शियल डिस्ट्रिक्ट्स और ट्रांजिट इंटरचेंज पॉइंट्स को आपस में बेहतर तरीके से जोड़ा जा सके। बिजनेस के नजरिए से देखें तो, कनेक्टिविटी बढ़ने से रियल एस्टेट और स्थानीय व्यापार को भी गति मिलने की उम्मीद है। टेशन बनेंगे, वहां प्रॉपर्टी की कीमतों और आर्थिक गतिविधियों में तेजी आना तय माना जा रहा है।



संपादकीय Editorial

Is India a Hindu Nation?

Sarsanghchalak Mohan Bhagwat has reiterated that India is a "Hindu nation." Hindus must unite, and change is inevitable. These changes will be seen and felt in Bangladesh, Pakistan, and elsewhere in the world. The RSS chief has consistently described all communities as fundamentally "Hindu," believing their DNA to be the same, though worship practices and some customs differ. The Sarsanghchalak has also described the RSS's thinking and ideology as "Hindu nationalism." The RSS has always worked for the interests, welfare, strength, development, and protection of Hindus. However, Bhagwat's statement, and the reality, cannot be considered technically and constitutionally correct. The Preamble of the Indian Constitution declares India a "secular" country, but Sarsanghchalak Bhagwat does not consider constitutional amendments necessary for a "Hindu nation." So, according to the Constitution, how can India be considered a "Hindu nation"? If there is no constitutional status, it is illegal. However, India's population has crossed 1.47 billion. Hindus remain India's largest religious community, constituting 78.9-79.4 percent of the population (approximately 1.15 billion). It is also a fact that the Hindu population has steadily declined, while the Muslim population has increased to over 15.2 percent. Union Home Minister Amit Shah estimates that the Muslim population in the country has grown by 24.6 percent, while the Hindu population has declined by 4.5 percent. The Home Minister does not assess this changing population dynamics in terms of an increase or decrease in the fertility rate, but rather considers "infiltration" as the fundamental factor behind the Muslim population growth. If this is so, why has the government been unable, and incapable, to identify and expel infiltrators from the country for the past 11 and a half years? If there are other reasons, they should be presented to the nation. This is what is expected in a democracy. Sarsanghchalak Bhagwat has been labeling Muslims as "Hindu" or "Sanatani" for generations. He believes that his ancestors had to convert to Islam under special circumstances. This issue requires a logical and evidence-based debate. It's impossible for the Sarsanghchalak alone to accept a statement, as Bhagwat is not a constitutional figure. Hindus undoubtedly constitute a significant and unilateral majority in India, and on this basis, India can be considered a "Hindu nation" emotionally and symbolically. Indeed, it is the beauty of Hindu thinking, culture, secularism, and a sense of equality that even today, there are over 550,000 mosques in India. The estimated number of Christian churches is 28,278. In addition, there are also large chapels and churches, such as St. Paul's Cathedral (Kolkata), Christ Church (Shimla), and St. Thomas Cathedral (Mumbai). Kerala and Tamil Nadu, where Christian populations are substantial, also have large churches and chapels. Kerala has been considered the "cradle" of Christianity in India. Similarly, the number of Sikh Gurudwaras in India is estimated to be 7,657 by 2024. They cannot be categorized as "Hindu," though their thinking during the Mughal period must have been "Sanatanic." The spirit of struggle and sacrifice for the nation was at its peak then. However, whatever Hindutva statement the Sarsanghchalak has made is in keeping with his socio-cultural outlook. His concern about the atrocities against Hindus in Bangladesh is understandable. He says the Modi government must take cognizance of this. In this context, he calls the new Babri Masjid in West Bengal a "political conspiracy," and therefore, the government should investigate who is involved in that campaign. Whose are the crores of rupees being collected.

# Free trade will pave the way for progress

In the new year 2026, India will move forward to rapidly formulate FTAs ??with major countries around the world. It is hoped that the FTAs ??signed in the new year will transform India into a new economic powerhouse in exports, services, investment, technical cooperation, and the movement of professionals, propelling the country towards becoming the world's third-largest economy by 2027 and a developed nation by 2047. India's exports register a 15.52 percent increase; the Union Cabinet approves the India-New Zealand FTA. Despite Trump's tariff challenges and uncertainties on the global trade front, India's exports have shown an upward trend. Between November 2024 and November 2025, India's total exports increased from \$64.05 billion to \$73.99 billion, a robust growth of 15.52 percent. Free trade agreements (FTAs) are believed to be a key driver of this growth. In the new year, the formation of FTAs ??with the US, the European Union, and several other countries will propel India's exports to new heights and alleviate concerns about India's trade deficit. Against this backdrop, on December 19th, the Union Cabinet approved the India-New Zealand FTA. The two countries began negotiations on the FTA 14 years ago. This FTA will help boost trade in goods and services, as well as increase investment flows and strengthen supply chains. It is also expected to create new opportunities in sectors such as agriculture, food processing, renewable energy, pharmaceuticals, education, and services. An FTA was already signed with Oman on December 18th. This FTA is officially known as the Comprehensive Economic Partnership Agreement (CEPA). Under this FTA, 98% of India's exports to Oman will receive zero-rated access, covering over 99% of all exports to Oman. This is expected to significantly benefit India's textile, gems, jewelry, pharmaceuticals, automobiles, agricultural products, and leather industries. Specifically, the five percent duty currently levied by Oman on approximately \$3.64 billion in Indian exports will be reduced. In return, India has ensured a reduction in import duties on various products from Oman. India has offered duty leniency on approximately 78 percent of its tariff lines. Consequently, 95 percent of Oman's products will see reduced duties by value. These include dates, marble, and petrochemical products. This FTA certainly benefits India significantly. India has also taken some strict measures to protect domestic interests. The FTA on professional mobility also has significant benefits for India. For the first time, Oman has granted extensive concessions to the movement of Indian professionals. The quota for intra-corporate transferees has been increased from 20 percent to 50 percent. The timeframe for companies providing services based on tenders has been extended from 90 days to two years. Indian companies in IT, business services, audio-visual, education, and healthcare will now be able to make 100% foreign direct investment in Oman. Following the implementation of the FTA, India's product and service exports to Oman will increase, reducing India's adverse trade imbalance. The use of Oman's modern ports will significantly reduce the time and cost of transporting goods to Eastern Europe, enhancing the global competitiveness of Indian exporters. During the Modi government, progress has been made on FTAs ??with Mauritius, the United Arab Emirates, and Australia. On October 1st, the FTA between India and the European Free Trade Association (AFTA), a group of four European countries: Iceland, Switzerland, Norway, and Liechtenstein, came into effect, and exports to AFTA countries have begun to increase. The FTA between India and the United Kingdom is also significant. The new year, 2026, will see FTAs ??taking shape with other key countries and parties, including the United States, the European Union, Peru, Chile, ASEAN, Mexico, Canada, South Africa, Israel, and the India-Gulf Countries Council. FTAs with these countries will not only include product exports but also exports related to the service sector. As India's expertise in service exports grows, employment opportunities for India's trained workers and professionals in FTA countries will increase, while India's potential for earning from service exports will also increase. Considering the benefits of FTAs ??for India, the new labor laws, which will come into effect on April 1st, will prove to be a milestone. The four much-awaited new labor codes notified by the central government will provide relief to both workers and businesses. These labor laws are the most comprehensive and progressive labor-oriented reforms since independence. The new labor laws will create a future-ready ecosystem that protects workers' rights, raising hopes for businesses and industries to reap the maximum benefits of FTAs. In the new year 2026, India will move forward on the path of rapidly shaping FTAs ??with major countries around the world. Let us hope that the FTAs ??signed in the new year will make India a new economic power in exports, services, investment, technical cooperation and movement of professionals, taking the country forward on the path of becoming the third largest economy in the world by 2027 and a developed nation by 2047.

# Definition of Aravalli: Dispute Resolution Necessary

The Aravalli region contains minerals such as lead, zinc, copper, and tungsten, along with limestone, marble, and granite. Therefore, efforts must be made to extract them without harming the environment. A proper balance between environmental protection and development must be ensured in dispute over the essential. A balance development is the search for a controversy Aravalli Hills, the Environment completely in only 0.19 doubtful whether to a report states that only hills considered part of approved, it would no longer be there is a fear that paved for mining. It would be appropriate to allay this fear. To do this, it must be clarified whether mining will occur only in 0.19 percent of the Aravalli region even if the above definition is accepted. It is difficult to say whether this is the case, but it is essential that mining in the Aravalli region is limited and illegal mining is truly prevented at all costs. It is a fact that despite numerous bans, reports of illegal mining in the Aravalli region continue to emerge. The Forest and Environment Minister also clarified that mining is not permitted in the NCR region, and many people have spread confusion about this. However, clarity is also needed regarding the scope of mining in areas outside the NCR. Generally, illegal mining occurs where legal mining is permitted. The Aravalli range is considered the world's oldest mountain range. It acts as a barrier to protect the plains from desert sand. It is believed that this range is the reason why the Thar Desert has not spread to Haryana, Rajasthan, and western Uttar Pradesh. The Aravalli region also plays a crucial role in balancing the climate between the Thar Desert and the rest of the region and in managing groundwater. Since the Aravalli region is the source of many rivers, mining should never exceed a certain limit. Especially since the Aravalli mountains prevent dust storms, thus contributing to pollution reduction. Is it a secret that the pollution problem in and around Delhi-NCR is becoming increasingly serious? Since the Aravalli region contains limestone, marble, and granite, as well as minerals like lead, zinc, copper, and tungsten, efforts must be made to extract them without harming the environment. A perfect balance between environment and development must be ensured in the Aravalli region.





# जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की मासिक समीक्षा बैठक संपन्न, विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों की हुई समीक्षा

जिलाधिकारी श्री अनुज सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर तरीके से लागू कराने के लिए विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं टीकाकरण अभियान की समीक्षा के संतोषजनक स्थिति न होने पर कारणों के बारे में जानकारी ली और की लिस्टिंग हो और उन्हें छूटे हुए टीकाकरण के लक्ष्य में कोई कमी न छूटे बच्चों का सर्वे, वैक्सीनेशन और टीकाकरण अत्यन्त महत्वपूर्ण मुद्दा है कार्यकत्री, सचिव और स्थानीय गंभीरतापूर्वक कार्य किए जाएं। उन्होंने रूप से मॉनिटरिंग करने के निर्देश एएनएम को अवकाश प्रदान नहीं कार्यवाही में लापरवाही और पालन न किए जाने पर जिलाधिकारी में झोलाछाप डॉक्टरों के विरुद्ध जीरो जिलाधिकारी ने कहा कि जिला के लिए ओपीडी में पर्चा बनवाने लगवाई जाए ताकि उन्हें किसी भी सुरक्षा योजना की समीक्षा के दौरान धारक प्राइवेट हॉस्पिटल जहां से विगत 02 माह में कोई डिलीवरी रिपोर्ट नहीं की गई है उनका लाइसेंस निरस्त होगा। जिलाधिकारी ने कहा कि 02 माह से कोई डिलीवरी न होना इस बात की पुष्टि करता है कि इन लाइसेंस धारक हॉस्पिटलों में कोई भी गाइनोकोलॉजिस्ट उपलब्ध नहीं है और वे हॉस्पिटल डिलीवरी कराने में सक्षम नहीं हैं। जननी सुरक्षा योजना के अंतर्गत डिलीवरी के सापेक्ष भुगतान की स्थिति में मूंडपांडे की खराब प्रगति पर जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी से कारणों के बारे में पूंछा। पोषण पुनर्वास केंद्र में गंभीर अति कुपोषित बच्चों के स्वास्थ्य उपचार हेतु भर्ती होने वाले बच्चों की कम संख्या के कारणों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देश दिए कि गंभीर अति कुपोषित बच्चों की प्रतीक्षा सूची तैयार कराएं और क्रमिक रूप से उन्हें भर्ती कराते रहें ताकि पोषण पुनर्वास केंद्र की सार्थकता हो सके। आशाओं के भुगतान की स्थिति पर भी जिलाधिकारी ने गंभीरता बरतने के निर्देश दिए। कुंदरकी में 07, बिलारी में 04 आशाओं के भुगतान लंबित होने के कारणों के बारे में भी स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी से जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने परिवार नियोजन, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम, राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम की प्रगति के बारे में भी समीक्षा की। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सुश्री मृणाली अविनाश जोशी और सीएमओ डॉ. कुलदीप सिंह सहित अन्य अधिकारी गण मौजूद रहे।



एवं कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की। दौरान बिलारी क्षेत्र में वैक्सिनेशन की जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी से कहा कि पूर्ण टीकाकरण से छूटे हुए बच्चों टीके लगाए जाएं ताकि बच्चों में पूर्ण रहे। जिलाधिकारी ने कहा कि चरणवार जागरूकता सत्र आयोजित किए जाएं। इसलिए आशा, एएनएम, आंगनवाड़ी जनप्रतिनिधियों की भागीदारी के साथ आशा और एएनएम के कार्यों की नियमित दिए। टीकाकरण दिवस में किसी भी किया जाएगा। झोलाछाप डॉक्टरों के विरुद्ध कार्यवाही के दौरान निर्धारित प्रक्रिया का ने नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि जिले टॉलेरेंस के साथ कठोरतम कार्यवाही होगी। चिकित्सालय में वरिष्ठ नागरिकों की सुविधा और दवाइयां प्राप्त करने हेतु अलग से लाइन समस्या का सामना नहीं करना पड़े। जननी जिलाधिकारी ने कहा कि ऐसे लाइसेंस

# मंडलायुक्त की अध्यक्षता में मंडलीय उद्योग बंधु की मासिक समीक्षा बैठक संपन्न।

मण्डलायुक्त श्री आन्जनेय कुमार सिंह की अध्यक्षता में कमिश्नरी सभागार में मण्डलीय उद्योग बन्धु समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में डियर पार्क के संचालन के सम्बन्ध में वन विभाग के प्रतिनिधि द्वारा बताया गया कि डियर पार्क के संचालन हेतु रू 120.40 की गयी है जिसे मण्डलायुक्त द्वारा मॉडल पर संचालित कराये जाने अपेक्षा की गयी। मण्डलायुक्त द्वारा निर्देश दिये गये कि रामगंगा नदी उसका चिन्हांकन किये जाने के साथ ही गगन नदी के किनारे कूड़ा विभाग से रिपोर्ट मांगी गयी। में प्रदूषण विभाग के प्रतिनिधि द्वारा गया है जिसके सम्बन्ध में निर्देश दिये गये। ई-वेस्ट सम्बन्ध में नगर निगम के नियमित रूप से जागरूकता अभियान द्वारा ई-वेस्ट रिसाईकिलिंग एवं जागरूकता अभियान तेजी से अधिकारियों ने बताया कि रामपुर दोराहा की पानी निकासी हेतु आरसीसी नाले के लिए मुरादाबाद विकास प्राधिकरण से डिजाइन व ले-आउट प्लान मांगा गया है, मण्डलायुक्त द्वारा इस प्रकरण को जल्द से जल्द निस्तारित करने के निर्देश दिये गये। मण्डल के सभी जनपदों के उपायुक्त उद्योग द्वारा मण्डलीय उद्योग नीति 2025 पर चर्चा की गई इस सम्बन्ध में मण्डलायुक्त ने मण्डल में नये उद्योगों को कैसे बढ़ाया जाये और उद्यमियों को पारम्परिक उद्योगों में निवेश हेतु प्रोत्साहित करने के लिए किये जा रहे प्रयासों की समीक्षा की। बैठक में सचिव मुरादाबाद विकास प्राधिकरण श्री पंकज वर्मा, अधिशासी अभियन्ता बाढ़खण्ड श्री राजेश कुमार गंगवार, डिप्टी प्रोजेक्ट मैनेजर ब्रिज कापरेशन श्री शशिकांत, चीफ इंजीनियर विद्युत श्री अशोक कुमार, प्रतिनिधि यूपीसीडी सुश्री गेसू मौर्या, अधीक्षक अभियंता लोक निर्माण विभाग श्री एसपी सिंह, उपायुक्त उद्योग बिजनौर श्री अमित जुरैल, उपायुक्त उद्योग सम्भल श्री लोकेन्द्र कुमार, सहायक आयुक्त उद्योग श्रीमती निहारिका सहित सभी जनपदों में पांच-पांच उद्यमी एवं अधिकारीगण उपस्थित रहे।



पार्क की पीपीपी मॉडल सम्भव नहीं है डियर लाख की सौंदर्यीकरण योजना तैयार कर प्रेषित योजना का निरूपण कराकर इसे पी0पी0पी0 हेतु उचित स्तर से अनुमति प्राप्त किये जाने की प्रदूषण कन्ट्रोल बोर्ड उअप्र0 के प्रतिनिधि को में कूड़ा कचरा एवं अतिक्रमण हटाये जाने तथा सम्बन्ध में लिखित रूप से अवगत कराये। इसके कचरा एवं गन्दगी के सम्बन्ध में भी सिंचाई रामगंगा नदी के किनारे अवैध भट्टियों के सम्बन्ध बताया गया कि 56 भट्टियों को बन्द कराया मण्डलायुक्त द्वारा सूची उपलब्ध कराये जाने के रिसाईकिलिंग व कलेक्शन कराये जाने के अधिकारियों द्वारा अवगत कराया गया कि के तहत कार्यवाही की जा रही है। मण्डलायुक्त कलैक्शन, वार्डवार डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रहण चलाने के निर्देश दिये गये। लोक निर्माण के

# दावे हवा: मुरादाबाद जिला अस्पताल में नहीं मिल रही खांसी और दर्द की दवाएं, बाहर से खरीदने को मजबूर हो रहे मरीज

मुरादाबाद जिला अस्पताल में आने वाले मरीजों को बाहर से दवा खरीदनी पड़ रही है। इससे उन्हें आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हरथला निवासी जफर की सात माह की भतीजी हीर को खांसी, जुकाम व बुखार है। मंगलवार को वह बच्ची को लेकर जिला अस्पताल पहुंचे तो डॉक्टर ने ओपीडी के पर्चे पर दवा लिखी। साथ ही एक छोटी पर्ची भी थमाई और कहा कि यह दवा बाहर से ले लेना। जिला अस्पताल में औषधि वितरण कक्ष की स्थिति यह रही कि डॉक्टर की लिखी पूरी दवा ही वहां नहीं मिली। बच्ची का खांसी का सिरप लेने के लिए परिजनों को निजी मेडिकल स्टोर पर जाना पड़ा। ऐसे तमाम

मरीज रोजाना मंडल स्तरीय जिला अस्पताल में आते हैं, जिन्हें दवा न मिलने से निराश होकर बाहर से खरीदनी पड़ती है। अस्पताल प्रबंधन के दावे के मुताबिक औषधि स्टोर में प्रदेश निदेशालय की सूची के मुताबिक 302 दवाएं हैं। इसके बावजूद मरीज दवाएं बाहर से लेने के लिए मजबूर हैं। मंगलवार को भी जिला अस्पताल में खांसी का सिरप, दर्द के लिए एसीक्लोफीनेक टैबलेट, डायक्लोफीनेक जेल, पाइल्स की दवा, कुछ आई ड्रॉप मरीजों को नहीं मिले। अपने पांच वर्षीय बेटे शगुन के लिए पिता टिंकू आई ड्रॉप लेने जन औषधि केंद्र पर पहुंचे तो वहां भी निराशा हाथ लगी। टिंकू ने बताया कि बेटे को दस्त की



शिकायत है। आंखों से लगातार पानी आ रहा है। दस्त की दवा अस्पताल में मिल गई, लेकिन आई ड्रॉप बाहर से लेनी पड़ेगी। सिर्फ चार दवाओं पर चल रही मानसिक रोग की ओपीडी – जिला अस्पताल में मानसिक रोग विभाग में रोजाना औसतन 80 मरीज आते हैं। इसके अलावा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत संचालित मन कक्ष में भी सप्ताह के तीन दिन मरीजों की संख्या 80-90 रहती है। इसके बावजूद

मानसिक रोग की ओपीडी सिर्फ चार दवाओं पर चल रही है। इनमें वलप्रोएट, एस्सिटालोप्राम, क्लोनाजेपम, ओलेंजेपीन शामिल हैं। 2022-23 के बाद से अस्पताल में डुलोक्सेटीन, फ्लुऑक्सेटीन, टिओनेप्टीन, कार्बामेजोपीन, रिसपेरीडॉन जैसी अवसाद रोधी व मिर्मा के इलाज की दवाओं की किल्लत है। मानसिक रोग विशेषज्ञ डॉ. एलके गुप्ता को सेवानिवृत्त हुए दो साल बीत गए हैं। इसके

बाद से सीमित दवाएं ही मानसिक रोगियों के लिए आ रही हैं। सीमित संख्या में निकाला जा रहा स्टॉक – स्टाफ का कहना है कि दर्द की दवा व खांसी के सिरप पर्याप्त मात्रा में हैं लेकिन अधिकारी सीमित संख्या में ही वितरण के लिए देते हैं। इसके कारण खांसी के सिरप व दर्द के आईटमेंट रोजाना जल्दी खत्म हो जाते हैं। जिला अस्पताल में जो डायक्लोफीनेक जेल फ्री मिलता है। बाजार में उसकी कीमत कम से कम 100 रुपये है। हड्डी रोग से परेशान 50 फीसदी मरीजों को दर्द निवारक जेल बाहर से ही लेना पड़ता है। मेरी उम्र 58 साल है और मेरा गांव यहां से 25 किलोमीटर दूर है। दाएं पैर की हड्डी में चोट है। डॉक्टर साहब

ने दवा तो लिख दी, लेकिन नहीं मिल रही है। सिर्फ गोलिएयां मिली हैं, दर्द का ट्यूब नहीं मिला। दवा बांटने वाले कह रहे हैं कि ट्यूब खत्म हो गया है। – हरस्वरूप मेरे पांच साल के बच्चे को डायरिया की शिकायत है और आंखों से पानी निकल रहा है। डायरिया की दवा मिल गई है लेकिन आई ड्रॉप नहीं है। डॉक्टर ने कहा है कि बाहर मिल जाएगा। – टिंकू सरकारी अस्पताल में मुझे पाइल्स की दवा नहीं मिली। अब बाहर से लेने जा रही हूं। कुछ टैबलेट यहां से मिल गई हैं। लोशन और गर्म पानी वाला लिक्विड बाहर से लेना होगा। – सीमा मेरे दाएं हाथ में चोट लगी है। दर्द की दवाई अस्पताल में नहीं मिल रही है।

संक्षिप्त समाचार

मुरादाबाद जिले में 14.90 लाख वोटर, 2.11 लाख नाम काटे गए, गांवों में बढ़े 17 हजार मतदाता

पंचायत चुनाव को लेकर मुरादाबाद जिले में हलचल तेज हो गई है। इसके साथ ही मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन भी कर दिया गया है। जिले में कुल मतदाताओं की संख्या 14.90 लाख हो गई है। जांच में 2.11 लाख मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए। पंचायत चुनाव को लेकर मंगलवार को तहसीलों पर मतदाता सूची चप्पा कर दी गई। सत्यापन के बाद जिले के गांवों में मतदाता की संख्या 14.90 लाख हो गई है। सूची से 2.11 लाख वोटरों के नाम काटे गए। इसमें 72 हजार डुप्लीकेट मतदाता शामिल हैं। वहीं सूची 2.28 लाख नए वोटर जोड़ भी गए हैं। 30 दिसंबर तक आपत्तियां दर्ज होंगी। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव 2021 की सूची के मुताबिक जिले में मतदाताओं की संख्या 14 लाख 73 हजार 873 मतदाता थी। चुनाव आयोग ने एआई के जरिये से 2.35 लाख डुप्लीकेट मतदाताओं की सूची जिला प्रशासन को सौंपी थी। साथ ही भौतिक सत्यापन कर फर्जी वोटरों के नाम सूची हटाने के निर्देश दिए थे। क्षेत्रवार बीएलओ लगाकर जिला प्रशासन ने मतदाताओं का सत्यापन कराया। इस दौरान एक ग्राम पंचायत में एक ही नाम के चार-चार लोग मौजूद मिले। जबकि उनके पिता के नाम अलग-अलग पाए गए। कुछ लोगों ने दो-दो स्थानों पर मतदाता सूची में नाम अंकित कराया था। सत्यापन के बाद 2 लाख 11 हजार 379 वोटरों के नाम सूची से हटा दिए गए। इसमें 72 हजार डुप्लीकेट मतदाता शामिल हैं। इसके अलावा कठे नामों मृत वोटरों के नाम भी शामिल है। वहीं 2 लाख 28 हजार 329 नए वोटरों के नाम जोड़े भी गए हैं। उप जिला निर्वाचन अधिकारी संगीता गौतम ने बताया कि तहसीलों पर मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन करा दिया गया है। 30 दिसंबर तक आपत्तियां दर्ज की जाएंगी। 6 जनवरी तक आपत्तियों का निस्तारण कर उसी दिन फाइनल सूची का प्रकाशन होगा। गांवों में बढ़ गए 16953 वोटर वर्ष 2021 की सूची की तुलना में 16953 मतदाताओं की संख्या बढ़ गई है। 2011 के पंचायत चुनाव में गांवों में 14,73,873 मतदाता थे। जबकि मंगलवार को अंतिम प्रकाशन सूची में वोटरों की संख्या 14,90,826 है।

रामपुर में अवैध खनन डीएम समेत 200 कर्मचारी सड़क पर उतरे... 2348 वाहन किए चेक, दो लोगों पर 15 लाख का जुर्माना

रामपुर में अवैध खनन पर प्रशासन ने कार्रवाई शुरू की है। अमर उजाला में खबर प्रकाशित होने के बाद जिलाधिकारी ने रात में चेकिंग कराई। दो रातों में करीब 2348 वाहनों की जांच कर 32 वाहनों को सीज किया गया। मिट्टी के अवैध खनन पर दो व्यक्तियों पर 15 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया रामपुर जिले में चल रहे अवैध खनन को रोकने के लिए अब प्रशासन सख्त हो गया है। अमर उजाला में खनन से संबंधित खबरें प्रकाशित होने के बाद प्रशासन ने अवैध खनन पर नियंत्रण के लिए कार्रवाई शुरू कर दी है। यहां तक कि जिलाधिकारी ने खुद आधी रात को सड़क पर उतर कर वाहनों की जांच की। सोमवार रात आठ बजे से मंगलवार सुबह सात बजे तक जिले के विभिन्न स्थानों पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने करीब 775 वाहनों की जांच की। इस दौरान 23 वाहनों में अनियमितता मिलने पर उन्हें सीज कर दिया गया। जिले में अवैध खनन पर अकुंश लगाने के लिए जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने नौ चेक प्वाइंट बनाए हैं। करीब 200 से ज्यादा अफसर और कर्मचारी चेकिंग के लिए तैनात किए गए हैं। इसी के तहत रविवार रात भी कार्रवाई की गई। रविवार रात एक बजे जिलाधिकारी द्विवेदी खुद भी शाहबाद रोड एवं अजीतपुर रोड पर पहुंचे और खनन के वाहनों को चेक किया। अफसरों एवं कर्मचारियों ने विभिन्न चेक प्वाइंट पर करीब 1573 वाहनों को चेक किया और ओवरलोडिंग व अनियमितता मिलने पर नौ वाहनों को सीज कर संबंधित थाने को सुपुर्द कर दिया। इसके साथ ही शाहबाद के गांव बिचपुरी में अपने खेतों में मिट्टी का अवैध खनन करने पर ब्रजलाल एवं नथू नामक व्यक्तियों पर 15 लाख रुपये जुर्माना लगाया है। इनके आपस में सटे हुए दो खेतों में अवैध खनन की शिकायत मिलने पर जांच कराई गई तो खेतों में कुल 3675 घनमीटर मिट्टी का अवैध खनन पाया गया था। एसडीएम की रिपोर्ट के आधार पर दोनों पर जुर्माना लगाया गया।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटेड, ए-11, असातपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001 (उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक – नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

इयूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है



## नहर में पानी बहने से किसानों के सूखी खेतों में आई जान

क्यूँ न लिखूँ सच / शेर सिंह / बरेली, के ब्लॉक बिथरी चैनपुर थाना भुता क्षेत्र के गांव रसूल, लहिया, भड़रिया, भगनापुर, उदयपुर, समेत अनेक गांवों से गुजरने वाली शारदा खंड नहरे बीते कई दिनों से सुखी पड़ी हुई थी नहरों में पानी न मिलने के कारण सरसों, गेहूं,और गन्ने, की खड़ी फसल प्रभावित होने लगी थी जिससे किसानों में भारी आक्रोश का माहौल था जरूरत पर पानी गायब बेवक्त छोड़ ज्यादा था पानी किसानों का आरोप था कि जब फासलों को सिंचाई की सबसे ज्यादा जरूरत होती थी उसे समय नहरों में पानी बिलकुल नहीं छोड़ा जाता था, जब सिंचाई की आवश्यकता नहीं रहती है, तब नहरों में पानी छोड़ दिया जाता है जिससे किसानों को कोई लाभ नहीं मिल पाता किसानों ने सूचना अंतर्राष्ट्रीय हिंदू सेना



के जिलाध्यक्ष अजय पटेल को दी किसानों की व्यथा सुनते ही जिलाध्यक्ष ने मामले को गंभीरता से लिया और संबंधित सिंचाई विभाग के अधिकारियों से एक्स पर शिकायत करने के बाद सिंचाई विभाग के अधिकारियों ने इस पर संज्ञान लिया जिससे सैकड़ों गांवों के किसानों को बड़ी राहत मिली हैं, यह नहर लंबे समय से सुखी पड़ी थी जिसके कारण रबी

सीजन में सरसों, गेहूं, गन्ने, की फसल को पानी की सख्त जरूरत थी नहर बंद होने से हजारों बीघा फसल प्रभावित हो रही थी जिससे किसान भारी परेशानी में झेल रहे थे, नहरे में पानी पहुंचते ही, किसानों के चेहरे पर खुशी लौट आई है, अब वे किसानें अपनी खेतों में खड़ी अनेक फसलों की सिंचाई कर सकेंगे!

## बरेली में मौलाना तौकीर रजा के करीबी का बरातघर ध्वस्त, 11.30 घंटे तक चली बीडीए की कार्रवाई

बरेली में मौलाना तौकीर रजा के करीबी वाजिद बेग के बरातघर को बीडीए ने जर्मीदोज कर दिया। बरातघर को ध्वस्त करने के लिए दो दिन कार्रवाई चली। पहले दिन सात घंटे और दूसरे दिन साढ़े चार घंटे बुलडोजर और पोकलेन मशीन चली। पूरा बरातघर मलबे के ढेर में तब्दील हो गया।बरेली में 26 सितंबर को हुए बवाल के आरोपी मौलाना तौकीर रजा से नजदीकी और बवाल से पहले अपने आलीशान भवन में उसकी मीटिंग कराने का खामियाजा पूर्व पार्षद एवं प्रॉपर्टी डीलर वाजिद बेग को भुगतना पड़ा। वाजिद के बेग बरातघर को बीडीए (बरेली विकास प्राधिकरण) ने मिट्टी में मिला दिया। बरातघर को ध्वस्त करने में दो दिन लगे। 11.30 घंटे तक कार्रवाई चली। बुधवार



दोपहर ठीक साढ़े तीन बजे दो मंजिला आलीशान बरातघर मलबे के ढेर में तब्दील हो गया। 26 सितंबर की घटना में मौलाना तौकीर रजा के साथ ही वाजिद बेग भी आरोपी है। लेकिन, बीडीए का कहना है कि उसके बरातघर को नक्शा न पास होने और मानक न पूरे होने पर ढहाया है। बीडीए की इस कार्रवाई से फरीदापुर चौधरी गांव के अन्य लोग भी खौफजदा दिखे।

तोड़फोड़ की कार्रवाई के पहले दिन मंगलवार को दो बुलडोजरों और एक पोकलेन ने बरातघर पर लगातार सात घंटे वार वार किया था तो करीब 35 प्रतिशत ही ध्वस्त हो सका था। दूसरे दिन बुधवार को भी बीडीए के संयुक्त सचिव दीपक कुमार टीम के साथ सुबह 10.30 बजे ही मौके पर आ गए थे। दूसरे दिन सुबह 11 बजे से शुरू हुई कार्रवाई – दूसरे दिन की कार्रवाई

में और एक पोकलेन लाई गई थी। सुबह 11 बजे से दोनों पोकलेन बरातघर तोड़ने में जुट गई थी, जबकि दो बुलडोजरों को रिजर्व कर लिया गया था। हालांकि, बीच-बीच में जरूरत समझकर बुलडोजरों का भी प्रयोग किया गया। कार्रवाई के बीच में ही 11.20 बजे वाजिद बेग के छोटे भाई आबिद बेग बरातघर और कोर्ट के कागज लेकर पहुंचे थे और वह मीडिया

के सामने अपना पक्ष रख रहे थे। लेकिन, देखते ही पुलिस ने उन्हें मौके से खदेड़ दिया था। बरातघर को तोड़ने की कार्रवाई बिना किसी बाधा के उस समय तक चलती रही, जब तक दो मंजिला बरातघर मिट्टी में नहीं मिल गया। इस तरह दूसरे दिन साढ़े चार घंटे की तोड़फोड़ के बाद अपराह्न 3.30 बजे खूबसूरत गुंबद समेत भवन की छत ढहकर नीचे जमीन पर गिर गई। इस कार्रवाई के दौरान मजिस्ट्रेट के तौर पर एसडीएम रामजनम यादव और पुलिस बल का नेतृत्व कर रहे इज्जतनगर थानाध्यक्ष विजेंद्र सिंह मौजूद रहे।ध्वस्त होते ही खराब हुई पोकलेन बरातघर की छत जमीन पर धराशाई होते ही दो में से एक पोकलेन में तकनीकी दिक्कत आ गई। हालांकि, अधिकारियों

ने टेक्नीशियन को बुलाकर उसे दुरुस्त करा लिया था। फिर शाम को सभी मशीनों के साथ बीडीए की टीम मौके से निकल गई थी। नहीं मिला स्टे ऑर्डर, मायूस हुए आबिद- वाजिद बेग के छोटे भाई आबिद बेग के बरातघर का बचाने के लिए मंगलवार से ही जुटे थे। इलाहाबाद हाईकोर्ट के अधिवक्ता से बातचीत कर स्टे ऑर्डर पाने के लिए सुबह ही इमरजेंसी वाद दाखिल करने का प्रयास किया। अधिवक्ता ने प्रार्थना पत्र तैयार कर आबिद के मोबाइल पर व्हाट्सएप भी किया, लेकिन उन्हें मायूसी ही हाथ लगी। स्टे ऑर्डर के चक्कर में आबिद पूरे दिन अपने अधिवक्ता से कई बार फोन पर बात की पर नतीजा शून्य ही रहा।

## तीन और गैंग पंजीकृत... पुलिस ने हत्या-लूट और तस्करी करने के आरोपियों पर कसा शिकंजा

बरेली में हत्या-लूट और तस्करी करने के आरोपियों पर पुलिस ने शिकंजा कस दिया है। एसएसपी के निर्देश पर पुलिस ने तीन और गैंग पंजीकृत किए हैं। इन गैंग पर पुलिस ने निगरानी बढ़ा दी है।बरेली में गौरव गोस्वामी हत्याकांड के आरोपियों का गैंग पंजीकृत करने के बाद एसएसपी अनुराग आर्य ने तीन और गैंग पंजीकृत करा दिए हैं। हत्या लूट और मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले इन गिरोह पर पुलिस ने निगरानी बढ़ा दी है।इज्जतनगर थाना



पुलिस ने मादक पदार्थ की तस्करी करने वाले फतेहगंज पश्चिमी निवासी अकरम को गैंग लीडर बनाया है। अकरम के गैंग में फतेहगंज पश्चिमी के आसिफ, जावेद, राशिद, उस्मान कुैरैशी, सीबीगंज निवासी हारुन और बारादरी निवासी अफजाल

मुल्ला सदस्य के रूप में सक्रिय है। सभी का गिरोह इज्जतनगर पुलिस ने पंजीकृत कर लिया है।भमोरा थाना पुलिस ने मादक पदार्थ तस्कर चकरपुर के राजवीर को पंजीकृत किया है। उसके खिलाफ पहले भी भमोरा एसओ सनी चौधरी बड़ी कार्रवाई कर चुके हैं। सुभाषनगर पुलिस ने लूट करने वाले विक्की दिवाकर को गैंग लीडर के रूप में दर्ज किया है। उसके गिरोह में सुभाषनगर के विकास उर्फ विक्कू, रोहित, बारादरी के गंगाधर पंजीकृत किए गए। बिहारी के गैंग की भी निगरानी शुरू- बारादरी पुलिस ने गौरव गोस्वामी हत्याकांड में शामिल गैंग को पंजीकृत किया है। इस गैंग का लीडर खुर्रम गौंटिया का निशांत सोनकर उर्फ बिहारी है। निशांत के गैंग में बारादरी का चंदन, अभय, राजा उर्फ कपिल, समीर, शेखर, नैतिक और अनस उर्फ मुलायम सक्रिय है। यह गैंग हत्या व पिटाई करता है। सभी बदमाशों की निगरानी की जा रही है।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

### संक्षिप्त समाचार

## प्रयागराज से चार जिलों के लिए छह इलेक्ट्रिक बसों का संचालन शुरू , अयोध्या , वाराणसी , कानपुर ,लखनऊ जाएंगी बसें

प्रयागराज में स्वच्छ, हरित एवं आधुनिक सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत मंगलवार को लीडर रोड डिपो कार्यालय से चार जिलों के लिए छह इलेक्ट्रिक बसों का संचालन शुरू किया गया।प्रयागराज में



स्वच्छ, हरित एवं आधुनिक सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत मंगलवार को लीडर रोड डिपो कार्यालय से चार जिलों के लिए छह इलेक्ट्रिक बसों का संचालन शुरू किया गया। बसें वाराणसी, अयोध्या, कानपुर एवं लखनऊ तक जाएंगी।रोडवेज के अधिकारियों ने बताया कि प्रयागराज-वाराणसी, अयोध्या, कानपुर एवं लखनऊ मार्ग पर इलेक्ट्रिक बसों का संचालन यात्रियों को सुरक्षित, आरामदायक एवं विश्वसनीय परिवहन सुविधा उपलब्ध कराएगा। इलेक्ट्रिक बसें शून्य उत्सर्जन तकनीक पर आधारित हैं, जिससे वायु प्रदूषण एवं ध्वनि प्रदूषण में उल्लेखनीय कमी आएगी। साथ ही डीजल ईंधन पर निर्भरता घटेगी और ईंधन लागत में बचत होगी।इलेक्ट्रिक बसों के संचालन से सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को अधिक किफायती, पर्यावरण अनुकूल एवं टिकाऊ बनाया जा सकेगा। यह पहल प्रदेश सरकार की स्वच्छ ऊर्जा नीति, पर्यावरण संरक्षण एवं सतत विकास के लक्ष्यों के अनुरूप है। यह पहल प्रयागराज, अयोध्या एवं वाराणसी जैसे प्रमुख धार्मिक, सांस्कृतिक एवं पर्यटन नगरों के बीच आधुनिक व हरित परिवहन व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगी। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि महापौर गणेश केसरबानी, विशिष्ट अतिथि उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम, प्रयागराज क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रबंधक रविंद्र कुमार सिंह, सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक (विच) शिव कुमार गुप्ता, सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक सिविल लाईंस डिपो डीके तिवारी, जयकरण, सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक प्रयाग डिपो प्रशांत दीक्षित समेत आरजी मोबिलिटी प्रबंधन के अधिकारी मौजूद रहे।

## शराब पीकर हाईवे के बीच में गाड़ी खड़ी करके सो गया पुलिसकर्मी ,कोहरे में कई वाहन टकराए, वीडियो वायरल

प्रवेश कुमार नाम का पुलिसकर्मी शराब के नशे में हाईवे के बीच में कार खड़ी करके उसमें सो गया। टक्कर लगने के बाद लोगों ने



विरोध किया तो उसने वर्दी का रौब गालिब किया। सीओ ने मामले की जांच कराने की बात कही है। मेरठ-बुलंदशहर हाईवे पर एक पुलिसकर्मी नशे की हालत में हाईवे के बीच में कार खड़ी करके सो गया। रात में कोहरे के कारण कई वाहन इस कार से टकराकर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। आरोप है कि जब अन्य वाहन चालकों ने आरोपी पुलिसकर्मी को समझाने का प्रयास किया तो उसने गालीगलौज की। मेरठ के परतापुर थाना क्षेत्र के बिजली बंबा बाईपास निवासी राकेश कुमार ने बताया कि वह टैक्सी चालक है। मंगलवार रात में हापुड़ में बुकिंग पर गया था। रात करीब 12 बजे जब वह लौट रहा था तो सड़क पर कोहरा था। वह खरखोदा बाईपास पर पहुंचा तो उसकी कार बीच रोड पर खड़ी एक कार से टकरा गई। उससे पहले भी वहां कई वाहन कार से टकराकर खड़े थे। उक्त कार में प्रवेश कुमार नाम का एक पुलिसकर्मी शराब के नशे में था। लोगों ने बताया कि वह बीच हाईवे पर अपनी कार खड़ी कर सो गया था। अन्य वाहन चालकों ने जब उससे अपनी गाड़ी को सड़क के बीच में खड़ी करने का कारण पूछा तो उसने वर्दी का रौब गालिब करते हुए उनके साथ गालीगलौज की।

बाद में राकेश कुमार की शिकायत पर पुलिस कंट्रोल रूम की एक टीम आई और दो क्षतिग्रस्त गाड़ियों को अपने साथ थाने ले गई। इस मामले एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। सीओ किठौर प्रमोद सिंह का कहना है कि इस मामले की जानकारी नहीं है। वीडियो के आधार आरोपी पुलिसकर्मी की पहचान कर उचित कार्रवाई की जाएगी।



# उपकरण मिलते ही दिव्यांग बच्चों के खिले चेहे

क्यूँ न लिखूँ सच / बिसलपुर-पीलीभीत। बीआरसी बीसलपुर में 80 दिव्यांग बच्चों को उनकी दिव्यांगता के अनुसार उपकरण बांटने का कार्यक्रम एलिम्को एवं बेसिक शिक्षा परिषद के सौजन्य से किया गया। कार्यक्रम का प्रारम्भ जिला पंचायत सदस्य शिव स्वरूप, खण्ड शिक्षा अधिकारी डॉ हर्षित शर्मा और सीनियर बेसिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष भद्रपाल गंगवार ने मौँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं मालार्पण कर किया।

28 बच्चों को एमआर किट, 02 बच्चों को सुगम स्मार्ट केन, 03 बच्चों को ब्रेल किट, 04



बच्चों को ट्राई साइकल, 16 बच्चों को व्हील चेयर, 12 बच्चों को लो लेटर, 01 को सीपी चेयर व 05 बच्चों को हियरिंग ऐड05 दी गई। उपकरण पाकर बच्चों के चेहरों पर खुशी

की लहर दौड़ गयी। कार्यक्रम में मुईन अहमद खाँ, मुकेश कुमार, आलोक कुमार, सीताराम, सुरेंद्र कुमार, सुनील त्रिपाठी, धनञ्जय बाजपेई आदि ने सहयोग किया।



# बहजोई में युवक की हत्या, हाईवे किनारे अधबने भवन में फेंका गया शव, सिर पर गहरी चोट

बहजोई में युवक की हत्या कर शव हाईवे किनारे चांदनी चौक मार्केट के अधबने भवन में फेंक दिया गया। पास ही खून से सनी ईंट, खुला बैग और कपड़े मिले। पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचकर जांच में जुटे हैं। बहजोई में सनसनीखेज वारदात सामने आई है। अज्ञात हमलावरों ने युवक की हत्या कर उसका शव हाईवे किनारे चांदनी चौक मार्केट में बने अधबने भवन में फेंक दिया। मौके से खून से सनी ईंट, खुला बैग और कपड़े बरामद हुए हैं। सूचना पर एएसपी अनुकृति शर्मा और

सीओ डॉ. प्रदीप कुमार सिंह ने घटनास्थल पर पहुंचकर जानकारी ली। बुधवार सुबह मोहल्ला चांदनी चौक में बनी दुकानों के बीच अधबने भवन में करीब 35 वर्षीय युवक का शव पड़ा होने की जानकारी लोगों को हुई। शव की स्थिति देखकर अंदाजा लगाया जा रहा है कि युवक की हत्या कर उसे यहां फेंका गया। शव के पैर नीचे की ओर लटके और शरीर ऊपर की तरफ पड़ा था। सिर के



नीचे खून फैला था। बालों और आधे चेहरे पर भी खून लगा होने के कारण मृतक की पहचान नहीं हो पाई। मृतक काले रंग की पेंट और जर्सी पहने हुए

था। उसके पैरों में जूते या चप्पल नहीं थे। शव के पास नीले रंग का खुला बैग पड़ा मिला। उसमें कुछ गर्म कपड़े थे। वहीं पास में खून से सनी एक ईंट भी मिली

है, जिससे हत्या किए जाने की आशंका और गहरी हो गई है। सूचना मिलते ही प्रभारी इंस्पेक्टर संत कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और जांच-पड़ताल शुरू की। आसपास के लोगों से पूछताछ की गई। घटनास्थल पर काफी देर तक लोगों की भीड़ जुटी रही। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल मृतक की शिनाख्त नहीं हो सकी है।

पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और हत्या के कारणों व आरोपियों की तलाश में जुटी है। फील्ड यूनिट व डॉग स्कॉयड टीम भी पहुंची-घटना की जानकारी के बाद मौके पर पहुंची फील्ड यूनिट व डॉग स्कॉयड की टीम ने भी घटनास्थल पर जांच-पड़ताल कर साक्ष्य जुटाए। इस बीच फील्ड यूनिट के प्रभारी इंस्पेक्टर पुष्पेंद्र चौहान की देख रेख में बारीकी से जांच करने के बाद टीम मौके पर मिली खून लगी ईंट समेत अन्य साक्ष्य जुटाकर अपने साथ ले गई।

# पहले अभिषेक फिर गौरव से अफेयर...रात में 12 से 3 बजे तक नए प्रेमी से होती थी बात; रूबी पर एक और नया खुलासा

संभल के चंदौसी में हुए राहुल हत्याकांड में पुलिस की छानबीन में आरोपी पत्नी रूबी की कई व्यक्तिगत जानकारियां भी सामने आईं। रूबी का पहले प्रेम प्रसंग अभिषेक नाम के युवक से था। अभिषेक का दोस्त गौरव रूबी की नजर में आया तो जिले के चंदौसी में हुए राहुल हत्याकांड की प्रसंग से जुड़ी कई चौंकाने वाली जानकारी रूबी का पहले अभिषेक नामक युवक से अभिषेक के दोस्त गौरव पर पड़ी। रूबी ने के सामने गौरव को %भाई% कहकर संबंध घूमने गए थे, जहां एक होटल में अभिषेक ने देख लिया। इसके बाद अभिषेक ने रूबी से दोस्ती तोड़ दी लेकिन रूबी का साथ नहीं बन गई दूरी- पुलिस की छानबीन में रूबी रूबी का पहले प्रेम प्रसंग अभिषेक नाम के की नजर में आया तो रूबी ने गौरव से को रूबी भाई कहती थी। कुछ समय पहले ठहरे थे। वहां अभिषेक ने गौरव और रूबी बाद से अभिषेक ने रूबी से दूरी बना ली लेकिन रूबी का साथ नहीं छोड़ा इस हत्याकांड में पुलिस की मजबूत पैरवी रहेगी। जिससे जल्द से जल्द आरोपियों को सजा हो सके। इसके लिए जल्द ही चार्जशीट न्यायालय में दाखिल कराई जाएगी। सख्त सजा मिलेगी तो समाज में संदेश जाएगा। रात में 12 से तीन बजे तक गौरव से होती थी बात पुलिस के लिए राहुल की हत्या का खुलासा करना किसी चुनौती से कम नहीं था। धड़ के आधार पर पहचान कराना मुमकिन नहीं था। पोस्टमार्टम कराया था तो राहुल नाम हाथ पर लिखा मिला था। इसको डॉक्टर ने अपनी रिपोर्ट में शामिल कर दिया था। इसके आधार पर पुलिस को कुछ सुराग मिला। लेकिन जब कपड़े और शव की शिनाख्त के लिए रूबी को पुलिस ने बुलाया तो वह मुकर गई। पुलिस की जांच फिर ज़ीरो हो गई। एसपी ने बताया कि हमें महिला पर संदेह था। इसलिए उसके मोबाइल की छानबीन की। कॉल डिटेल के साथ गैलैरी की भी जांच कराई। जिसमें राहुल का एक फोटो मिला जिसमें वह वही कपड़े पहने था जो धड़ के पास मिले थे। इसके बाद रूबी से पूछताछ की तो वह गुमराह तो कर रही थी लेकिन चकमा नहीं दे सकी। कॉल डिटेल निकली तो उसमें गौरव से बातचीत सबसे ज्यादा पाई गई। रात को 12 से 3 बजे तक यह बातचीत होती थी। इसी आधार पर कड़ी से कड़ी मिली और बड़ी साजिश का राजफाश किया। राहुल के घर पर लटका ताला जहां चार सदस्यों का परिवार रहता था अब वह मकान सुनसान हो गया है और उस पर ताला लटका है। पिता की मौत और मां के जेल जाने के बाद अनाथ हुए बच्चों के रिश्तेदारों के यहां चले जाने के बाद मकान के आसपास का माहौल गमगीन है। पुलिस को पूछताछ में रूबी और उसके प्रेमी ने बताया कि वह मकान को बेचकर कहीं चले जाने की तैयारी में थे लेकिन कुछ समय का इंतजार कर रहे थे। यह है प्रकरण- यूपी के संभल जिले के चंदौसी इलाके के मोहल्ला चुन्नी में अवैध संबंधों में बाधक बने राहुल को उसकी पत्नी रूबी और उसके प्रेमी गौरव ने ग्राइंडर से टुकड़े कर गंगा और नाले में बहा दिया था। धड़ 15 दिसंबर को पतरीआ रोड पर ईदगाह के पास नाले में उतराता मिला था। सिर और हाथ-पैर कटे हुए थे। उसके पास में एक बैग पड़ा था, जिसमें पॉलीथिन और मांस के टुकड़े थे। धड़ पर एक टीशर्ट भी थी। राहुल 18 नवंबर से लापता चल रहा था। 20 नवंबर को रूबी ने ही पुलिस में गुमशुदगी दर्ज कराई थी। शव मिलने के बाद पुलिस ने 20 से ज्यादा गुमशुदा लोगों के परिजनों से पूछताछ की। लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। पुलिस ने शव की बायीं बाजू पर गुदे राहुल नाम के आधार पर जांच को आगे बढ़ाया। जांच में सामने आया कि एक माह पहले मोहल्ला चुन्नी निवासी महिला रूबी ने अपने पति राहुल की गुमशुदगी दर्ज कराई थी। राहुल 18 नवंबर से लापता चल रहा था। पुलिस ने गुमशुदगी को रिपोर्ट में तरमीम करते हुए दरोगा की ओर से मृतक की पत्नी रूबी और मोहल्ले के ही युवक गौरव के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली। पुलिस ने दोनों को हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ की। पूछताछ में पत्नी रूबी और प्रेमी गौरव ने बताया कि वह दोनों एक दूसरे से प्यार करते थे। राहुल को दोनों के संबंधों को लेकर शक था। 18 नवंबर की रात राहुल ने घर में ही गौरव और रूबी को आपत्तिजनक स्थिति में देख लिया था। नाराज होकर राहुल दोनों के साथ मारपीट करने लगा और रूबी को मोहल्ले में बेइज्जत करते हुए घर से निकालने की धमकी दी थी। गौरव ने पुलिस ने बताया कि तब रूबी ने उससे कहा कि राहुल को मार दो। इस पर गौरव ने राहुल के सिर पर लोहे की रॉड और रूबी ने मूसल से वारकर हत्या कर दी। अगले दिन राहुल के शव को छिपाने के लिए घंटाघर मार्केट से प्लास्टिक की पन्नी, दो बैग खरीदे थे और राहुल की लाश को काटने के लिए जीतू मिस्त्री से ग्राइंडर किराए पर लेकर आया था। इसके बाद दोनों ने ग्राइंडर से राहुल की गर्दन व पैर काट दिए।



रूबी ने गौरव से नजदीकी बना ली। संभल जांच में पुलिस को आरोपी पत्नी रूबी के प्रेम सामने आई है। जांच के दौरान पता चला कि प्रेम संबंध था, लेकिन बाद में उसकी नजर गौरव से गुप्त नजदीकी बना ली और अभिषेक छिपाती रही। कुछ समय पहले तीनों नैनीताल गौरव और रूबी को आपत्तिजनक स्थिति में दूरी बना ली, जबकि गौरव ने अभिषेक से छोड़ा। गौरव से बड़ी नजदीकी तो अभिषेक से की कई व्यक्तिगत जानकारियां भी सामने आईं। युवक से था। अभिषेक का दोस्त गौरव रूबी नजदीकी बना ली। अभिषेक के सामने गौरव तीनों नैनीताल भी घूमने गए थे। एक होटल में को आपत्तिजनक हालत में देख लिया था। इसके थी। गौरव ने अभिषेक से दोस्ती खत्म कर दी

# संक्षिप्त समाचार

## हाईवे कांड: आठ गांवों के लोगों ने चंदा कर लड़ी थी निर्दोष रईस की लड़ाई, चार माह रहा था बंद; मां का छलका दर्द

बुलंदशहर के हाईवे कांड में आठ गांवों के लोगों ने चंदा करके निर्दोष रईस की लड़ाई लड़ी थी। रईस करीब चार महीने जेल में बंद रहा था। सदमे में पिता की जान चली गई थी। सूतारी गांव के रईस को पुलिस ने इस मामले में आरोपी बनाकर जेल भेज दिया था। बुलंदशहर हाईवे कांड पर सामूहिक दुष्कर्म के बाद मां-बेटी और उसके परिवार ने तो दंश झेला ही, एक ऐसे परिवार को भी दर्द से गुजरना पड़ा, जिसका इस घटना से लेना-देना नहीं था। पुलिस ने चोला थाना क्षेत्र के गांव सूतारी निवासी निर्दोष रईस को आरोपी बनाकर जेल भेज दिया था। इससे परिवार के सामने रोजी-रोटी का संकट आया तो क्षेत्र के आठ से अधिक गांवों के लोग उनके लिए फरिश्ता बनकर खड़े हो गए। उन्होंने चंदा करके परिवार की आर्थिक मदद के साथ न्याय दिलाने के लिए कानूनी लड़ाई लड़ी। मंगलवार को रईस के परिवार और ग्रामीणों ने न्यायालय के निर्णय पर जहां खुशी जताई, वहीं अपने उस दर्द को भी बयां किया। रईस की मां जमोला ने आंखों में आंसू और रुंधे गले से दर्द बयां करते हुए बताया कि जिस रात हाईवे पर मां-बेटी के साथ सामूहिक दुष्कर्म और लूट की घटना हुई, उनका बेटा घर में था। वह लकड़ी काटकर आया था। थककर अपने बच्चों के साथ सो गया था। घटना के दो दिन बाद पुलिस अचानक प्रधान को लेकर उनके घर पहुंची। उनसे कहा गया कि बेटे को 10 मिनट में छोड़ देंगे। प्रधान साथ था, इसलिए डर नहीं लगा। जब दो घंटे तक बेटा नहीं आया तो पूछने पर बताया कि पुलिस साथ ले गई है। अगले दिन थाने पहुंचने पर पता चला कि बेटे को सामूहिक दुष्कर्म की घटना में आरोपी बनाकर जेल भेज दिया गया। इससे परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। उस समय रईस का बड़ा बेटा एक वर्ष का था। उस वक्त को याद कर कांप जाती है रूह- रईस की पत्नी शाबरून ने बताया कि उस वक्त को याद करके रूह कांप जाती है। पति को जब आरोपी बनाया गया, तब पता चला कि पुलिस निर्दोष लोगों को कैसे फंसा देती है। उन्होंने कहा कि रईस के जेल जाने के बाद हम ऊपर वाले से बस एक ही दुआ करते थे कि सच्चाई की जीत होनी चाहिए। करीब चार महीने बाद पति जेल से घर आ गए। कहा कि पुलिस को अपना काम निष्पक्ष तरीके से करना चाहिए। कोई निर्दोष फंसना नहीं चाहिए- भाई अनीश अहमद ने बताया कि रईस के जेल जाने के बाद घर की स्थिति खराब थी, लेकिन आठ से 10 गांवों के लोग हमारे लिए फरिश्ता बनकर आए। सूतारी के साथ कोराली, पंचौता, काहिरा, मरगुबपुर, दरियापुर, चोला और सबदलपुर के ग्रामीणों ने चंदा करके भाई के लिए न्याय की लड़ाई लड़ी। इसमें मुस्लिमों के साथ हिंदू भाइयों ने भी पूरा सहयोग किया। सभी को पता था कि रईस निर्दोष है। उन्होंने भी मांग की है कि किसी निर्दोष का भाई और बच्चा नहीं फंसना चाहिए। जाति-धर्म भूलकर आगे आए लोग- ग्रामीण मोहसीन एडवोकेट और मतलूब ने कहा कि गांव का हर व्यक्ति जानता था कि रईस ऐसा कृत्य नहीं करेगा। वह अपने काम से काम रखता था। उसके परिवार का लड़ाई झगड़े से कोई लेना-देना नहीं रहा। गांव के लोग सच्चाई के लिए जाति-धर्म भूलकर आगे आए। सब्जी बेचकर परिवार का पालन कर रहा रईस-जमोला ने बताया कि जेल से आने के बाद रईस ने सब्जी बेचने का काम शुरू कर दिया। वह गांव-गांव जाकर फेरी लगाता है। अन्य ग्रामीणों ने भी कहा कि ऐसे अपराध नहीं होने चाहिए। पुलिस को भी अपनी जांच बारीकी के साथ करनी चाहिए। जेल से आने के चार महीने बाद हो गई पिता की मौत- जमोला ने बताया कि निर्दोष बेटे के दुष्कर्म के मामले में जेल जाने से पति शोहराब को गहरा आघात लगा। वह बीमार रहने लगे। रईस के जेल से बाहर आने के बाद भी वह सदमे से बाहर नहीं आ पाए और चार महीने बाद उनकी मौत हो गई। हाईवे कांड - पांचों दोषियों को आजीवन कारावास, अंतिम सांस तक रहेंगे जेल में- बुलंदशहर में नेशनल हाईवे-91 पर नौ साल पहले कार सवार परिवार को बंधक बनाकर मां-बेटी के साथ सामूहिक दुष्कर्म व लूटपाट करने के पांच दोषियों को विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट ओपी वर्मा के न्यायालय ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। प्रत्येक दोषी पर 1.81 लाख रुपये अर्थदंड भी लगाया गया है। न्यायालय ने कहा कि सभी दोषी अंतिम सांस तक जेल में रहेंगे। साथ ही अर्थदंड की आधी राशि पीड़ित मां-बेटी को दी जाएगी। वारदात के नौ वर्ष चार माह और 25 दिन बाद फैसला आया है। वारदात 28 जुलाई 2016 की रात हुई थी। बुलंदशहर के देहात कोतवाली क्षेत्र में दोस्तपुर फ्लाईओवर के निकट बदमाशों ने उनकी कार को रोक लिया था। उन्होंने कार सवार 14 वर्षीय किशोरी, उसकी मां, पिता, ताई, ताऊ व तहरे भाई को बंधक बना लिया था। सभी को कार समेत सड़क के दूसरी तरफ खेत में ले गए। वहां तीनों पुरुषों के हाथ-पैर बांध दिए। किशोरी व उसकी मां के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। वारदात के बाद आरोपी लूटपाट कर भाग निकले थे। मामले में हाईकोर्ट के आदेश पर सीबीआई ने जांच की और छह अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। इनमें बावरिया गिरोह के जुबैर उर्फ सुनील उर्फ परवेज, सलीम उर्फ बीना उर्फ दीवानजी और साजिद निवासीगण गांव इटखारी बिनौरा, तिरवा, कन्नौज के खिलाफ सीबीआई ने अप्रैल 2017 में आरोपपत्र दाखिल किया था। बाद में हरियाणा पुलिस ने धर्मवीर उर्फ राका उर्फ जितेंद्र, नरेश उर्फ संदीप उर्फ राहुल निवासी गांव गेशनपुर, मोहम्मदाबाद, फर्रूखाबाद और सुनील उर्फ सागर निवासी गांव बानवोई, आजादनगर, मोहम्मदाबाद को गिरफ्तार किया।



दिखाई गई। कार्यक्रम का आयोजन नोडल अधिकारी डॉ चन्द्रप्रभा गंगवार के निर्देशन में हुआ कार्यक्रम में डॉ पूर्णिमा भारद्वाज, डॉ जगदम्बा गोंड, शोध छात्र कुणाल का विशेष सहयोग रहा।



# Does youthfulness begin to fade after you turn 35?

## Swedish scientists have revealed a significant body secret.

Do you know at what age your physical abilities are at their peak? If not, a lengthy and detailed study conducted in Sweden has revealed this mystery. The results of this research may be a bit worrying, but they also offer some explore the details. Fitness peaks at age Physical activity can slow down decline. energy will remain the same forever, or and old age is a long way off? If you're Swedish scientists have made a startlingly nearly 47 years. This research has is at its peak (Cellular Aging) and when frightening, but the good news is that the hands (Longevity Secrets). Let's find out Institute report makes about your study conducted by the Karolinska strength, and muscular endurance peak 35, no matter how much exercise you do, decline is slow initially, but accelerates thinking that strength is bound to exercising? Well, wait! Research has the study, exercise is always beneficial. adulthood saw a 5 to 10 percent means it's never too late to start exercising. What do experts say? - Maria Westerståhl, lead author of the study and a lecturer at the Department of Laboratory Medicine, says: "It's never too late to start physical activity. Our study shows that physical activity may not completely prevent performance decline, but it can certainly slow it down. Now, scientists are trying to understand why we reach our peak at age 35 and why exercise only slows down the decline rather than completely halting it. Why is this research special? - This information comes from the Swedish Physical Activity and Fitness Study (SPAF). It is one of the few studies in the world that has monitored the same group of people for nearly 50 years. Hundreds of men and women aged 16 to 63 were randomly selected for this study. Previously, scientists only conducted cross-sectional studies, but SPAF repeatedly measured the fitness and strength of the same people over decades. This study is published in the journal of Cachexia, Sarcopenia and Muscle'.



good news for those trying to stay fit. Let's 35. Exercise improves physical capacity. Do you believe your physical strength and perhaps you believe that you're still young, around 35, you need to be a little cautious. discovery after a landmark study spanning pinpointed the exact age when a human body it begins to decline. The results may be a little key to preventing this decline lies in your own what significant claims this Karolinska fitness. 35 is the most crucial stage - A 47-year Institute revealed that a person's fitness, at age 35. Researchers found that after age physical capacity begins to decline. This as you age. Exercise is never wasted - If you're decrease after 35, then what's the point of revealed a very positive finding. According to People who started being physically active in improvement in their physical capacity. This

# Vegetable Uttapam is the best option for a healthy and tasty breakfast. Here's how to make it soft and spongy.

Do you find yourself wondering every morning what to make for breakfast that's quick, tasty, and healthy? If so, vegetable Uttapam is the perfect option. Often called "Indian pizza," it's a favorite among children and adults minimal oil content and the use of a lot of their Uttapam isn't as soft as the ones in worry now because today you will know very soft and spongy. Ingredients for thick, any will do) Curd: 1/2 cup (fresh requirement (to make the batter) Salt: as and soft) Onion: 1 (finely chopped) chopped) Carrot: 2 tbsp (grated - this is on the spiciness) Green coriander: a little pan. Mustard seeds: for tempering (semolina). Take semolina in a bowl and uttapam its lace-like texture and softness. for 15 to 20 minutes. This resting time is the semolina swells, add salt and a pinch make it spongy. Now, heat the pan and like a dosa; keep it a little thick. Top with tomatoes, bell peppers, carrots, and green over medium heat and drizzle a little oil brown, flip it over. Then, serve the uttapam hot with coconut chutney or sambar. This is not only filling but also energizing for the day.

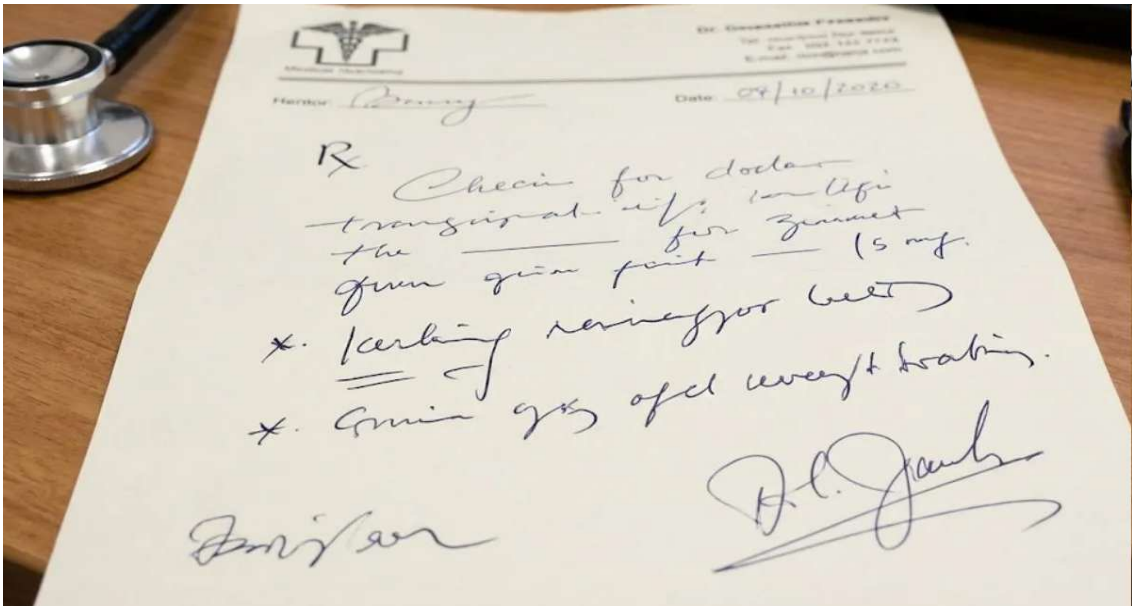


alike. The most distinctive feature of Uttapam is its green vegetables. However, people often complain that restaurants. If this is happening with you, then don't the secret method by which your Uttapam will become making Vegetable Uttapam - Semolina: 1 cup (fine or or slightly sour curd, both will do) Water: as per per taste - Baking soda: 1 pinch (this will make it fluffy Tomato: 1 (finely chopped) Capsicum: 1 small (finely optional) Green chillies: 1-2 (finely chopped, depending (finely chopped) Oil or ghee: to fry the Uttapam on the (optional) The secret to soft uttapam is using semolina mix it with fresh yogurt. Yogurt is what gives the Add a little water to the batter and let it rest, covered, crucial as the semolina absorbs water and swells. Once of baking soda or fruit salt—this is the step that will pour the batter onto it. Be careful not to spread it thinly your favorite finely chopped vegetables, such as onions, chillies. Gently press the vegetables into the batter. Cook or ghee around the edges. When the bottom is golden

# Can't you read a doctor's handwriting?

## Prescription writing is about to change.

The poor handwriting we often joke about can often cause significant problems and even serious health issues for both patients and pharmacists. However, with patient safety at the forefront, the National Medical Let's explore the details. NMC's new rule: handwriting puts patients at risk of in medical colleges will be monitored. If determine whether the doctor wrote article is especially for you. In fact, poor confusion for patients, pharmacists, and consequences. However, now, with patient (NMC) has taken a major and necessary in legible letters. This decision comes after Recently, the Punjab and Haryana High highlighted how illegible handwriting leads dosages, and causing avoidable harm. guidelines to bring accountability and Why is this important for patient safety? handwriting is not a minor issue. The "medication errors" as a major challenge responsible for many injuries and deaths worldwide. According to the WHO, when prescriptions are illegible, the risk of administering the wrong medication or incorrect dosage significantly increases. Studies cited by the National Institutes of Health show that prescription errors are the most common cause of adverse drug reactions in busy clinics. For patients with chronic illnesses, the elderly, and those taking multiple medications simultaneously, even a small mistake can lead to a serious allergic reaction or even a life-threatening situation. What's special about the NMC's new order? Several important changes have been made under this new directive: Doctors will be required to write prescriptions in clear and legible handwriting to avoid confusion. Unclear or arbitrary prescription writing will no longer be acceptable, as it compromises patient safety. Subcommittees will be formed in all medical colleges to monitor prescription practices and ensure compliance. Medical students will be taught the importance of writing clear prescriptions during their studies and clinical training. This move marks a major shift in India's medical system, aimed at improving the habits of future doctors.



Commission (NMC) has taken a significant decision. Doctors must write clear prescriptions. Illegible receiving the wrong medication. Prescription practices you've ever stared at a doctor's prescription, trying to "amoxicillin" or "penicillin" or something else, this handwriting on prescriptions has long been a source of even other doctors, sometimes leading to serious safety in mind, the National Medical Commission step. Doctors will now be required to write prescriptions concerns raised by courts and health authorities. Court took a strong stance on this issue. The court to patients receiving incorrect medications, incorrect Acting on these concerns, the NMC has issued new standardization to prescription practices across India. Medical experts have long warned that poor World Health Organization (WHO) has identified to patient safety globally. Illegible prescriptions are



# The actor himself made a lewd comment about the actress's short clothes and is now publicly apologizing.

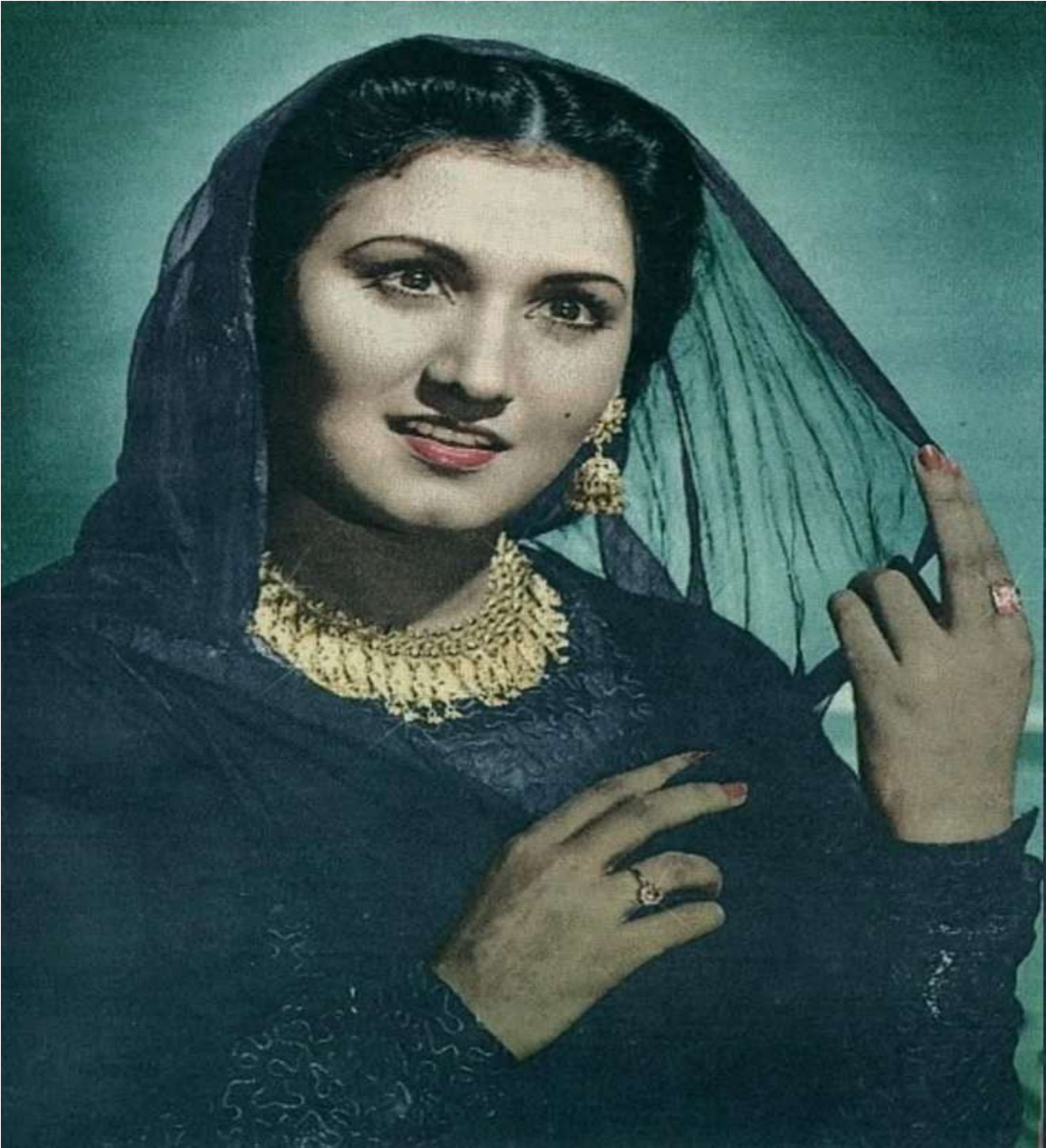
Absurd statements about actresses and women's short clothes are often made. One such controversial statement was recently made by South Indian actor Shivaji, for which he is now apologizing. The actor's comment on controversy, and now he has to South Indian actors are regularly a lewd comment about actresses' upcoming film. His statement drew controversy. As the controversy mistake and is seen apologizing on matter is. What was the controversial in Telugu cinema, Shivaji's name is pre-release event for his upcoming event's female host, Shravanthi stated, "Women should wear actresses wear saris and avoid short cover their entire body. A woman's sari, not in revealing her body in short to actresses wearing revealing Indian film actor proved to be a After Shivaji's statement surfaced, he industry stars began criticizing his controversy, Shivaji has realised his mistake and has apologized by sharing a video on his ex handle - "I sincerely apologize to all of you for the statement I made during the Dhandora pre-release event."



the actress's short clothes sparked apologize. Controversial statements from made. A new name is actor Shivaji, who made short clothes during the promotion of his widespread criticism and created a major escalated, Shivaji has now realized his social media. So, let's find out what the whole statement? When it comes to popular actors often included. Recently, Shivaji attended the film, Dhandora. During this, he praised the Chokkarapu, for wearing a sari. Shivaji then traditional clothing. I recommend that all dresses. I request that they wear clothes that beauty is revealed in a complete outfit like a clothes." Shivaji thus expressed his reaction clothing. However, this statement by the South disaster for him. Actor Shivaji apologized. was heavily trolled on social media, and many statement. In the wake of the growing

# Two marriages, two divorces... She went to Pakistan after Partition, 400,000 people attended her funeral, and the story of Noor Jehan, who sang 10,000 songs.

Noor Jehan's name will be remembered for centuries in the history of Pakistani cinema. The singer and actress, who was instrumental in the foundation of Indian cinema, sang countless songs and acted in many memorable films, while also being associated with everyone from Pakistan's dictator to a cricketer. Today, we tell you the untold and unheard story of Noor Jehan,



who lived her life on her own terms... Noor Jehan was the light of Pakistani cinema, gave voice to over 10,000 songs in her career, and shared a very special friendship with Lata Mangeshkar. A voice that once emanated, reached far... a voice that settled in hearts... a voice that was etched in the pages of history. The lines we mentioned above are those of Noor Jehan, whose melodious voice has attracted a large number of attendees. It is said that God blesses every person with some gift or the other. Noor Jehan was one of those whose life's train reached the station of success, but the cracks of pain that appeared along the way became a sore for her. What could she do? Whatever fate wills, happens. It was Noor Jehan's magic that even the Nightingale of India, Lata Mangeshkar, was enamored of her stunning beauty and mesmerizing voice. Today, we will tell you the story of that very Noor Jehan, explaining how she gained recognition across two countries, how she struggled with the ups and downs of her personal life, and how she became the "Mallika-e-Tarannum." Noor Jehan's early career: Noor Jehan (Pakistani Singer Noor Jehan) was born on September 21, 1926, in Kasur, about 45 kilometers from Lahore, during the British era. Noor Jehan's real name was Allah Rakhi Vasai. Noor Jehan began singing at just six years old. As soon as her parents learned of her talent, they encouraged her to pursue it. Noor Jehan's mother loved her daughter very much. She immediately sent her to Ustad Bade Ghulam Ali Khan. She believed that her daughter would learn quickly and well if she stayed with the master, and that with the proper training, she would achieve something in life. Born into a Punjabi Muslim family, Noor Jehan had 11 siblings. Her parents were involved in theater. It is said that when Noor Jehan was born, even her cries had a rhythm. It felt as if the melodious words of a small child were being sung. Gradually, as Noor Jehan grew up, she began singing with her sister. They sang in Lahore. Afterward, the theater where Noor Jehan's father worked moved Noor Jehan and her family to Calcutta. Her father believed that now that she had received musical training, Noor Jehan might find a career in Calcutta. She began her career as a singer in Punjabi films. In 1935, Noor Jehan appeared in the film "Pind Di Kudi," her debut film. In the film, Noor Jehan sang with her sisters and also acted in it. After this, Noor Jehan didn't stop; she continued to progress in her career. After working in several Urdu and Punjabi films, she moved to Pakistani cinema (Lollywood). She sang in various films, and anyone who heard her voice became enamored. After Partition, she moved to Pakistan. She worked in several films, including "Anmol Ghadi," "Jugnu," and "Mirza Sahibaan." These films were made before Partition. While Noor Jehan was winning hearts with her singing, she was also tormented by the pain of Partition. Before Partition, she had established a significant presence in Indian cinema. However, after the 1947 partition, she moved to Pakistan and settled there with her family. During this time, Dilip Kumar even asked her to stay in India, to which Noor Jehan replied, "Wherever my husband is, there is my life." After returning

to Pakistan, she became the first female director there and won hearts with her songs. Two marriages, two divorces, and the responsibility of six children—as Noor Jehan's life progressed, she also attracted attention in her personal life. In 1942, Noor Jehan appeared in the film "Khandaan," directed by Shaukat Hussain Rizvi. The two fell in love during the filming and eventually married. However, this marriage didn't last long. After 11 years of marriage, they separated in 1953. Five years later, Noor Jehan entered her life with Ejaz Durrani, with whom she married for the second time. However, Noor Jehan's second husband did not want her to work in films or sing. Obeying her husband, she withdrew from the film world. This marriage produced six children. However, this marriage did not last long, and in 1971, she divorced Durrani and separated. She was madly in love with a cricketer: Stories of the love affair between Pakistani cricketer Nazar Mohammad and Noor Jehan are also common. It is said that Noor Jehan and Nazar Mohammad's love affair blossomed, but Nazar Mohammad paid the price for it with his career. It is said that once, Noor's second husband, Durrani, found her and Nazar Mohammad locked in a room. Out of fear, Mohammad jumped out of a window, breaking his arm. His hand later fell down. It didn't happen, and her career was ruined before it could even take off. Lata Mangeshkar was also a fan of Noor Jehan's voice. In fact, when Noor Jehan reached the peak of her career, Lata's career had just begun. Noor Jehan was an inspiration for Lata. Interestingly, the friendship between these two legends was widely discussed in Indian cinema. "When I was younger, I used to practice a lot, although at this age, that's not possible." Noor Jehan shared that she has many memories that she cherishes. The pain of Partition was evident there, and Noor Jehan was trying to control her emotions. However, she also shared that she made numerous attempts to return to India and waited for nearly 35 years. Four hundred thousand people attended her funeral. Noor Jehan sang over 10,000 songs in her career and acted in countless films. She lent her voice to Punjabi, Hindi, Urdu, and many other languages. Finally, she stopped singing in 1992, and then passed away in 2000 from a heart attack. When Noor Jehan's funeral procession passed through Karachi, approximately 400,000 people attended. She was buried with full state honors.